दैनिक भारत कि
तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३१८ वा | गुरूवार १९ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

सांसद रजनीताई पाटील ने की मनोज जरांगे पाटील से मुलाक़ात

केज, १८ जून

मराठा आरक्षण आंदोलन के संघर्षशील नेता मनोज दादा जरांगे पाटील से आज कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री और सांसद रजनीताई पाटील, पूर्व मंत्री अशोक पाटील ने अंतरवाली सराटी गांव में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उनका सत्कार करते हुए शुभकामनाएं भी दीं।

इस दौरान युवा नेता आदित्य पाटील, कांग्रेस जिला अध्यक्ष राहुल सोनवणे, तालुका अध्यक्ष महेश बेद्रे, श्रीनिवास बेद्रे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भेंट के दौरान मराठा आरक्षण के मुद्दे सहित जिले के अन्य सामाजिक विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और चर्चा को गंभीरता से सुना।

छत्रपति मल्टीस्टेट में जमा राशि नहीं मिलने से युवक की आत्महत्या, बैंक के सामने लगाया फांसी का फंदा

गेवराई /बीड ,प्रतिनिधि

छत्रपति मल्टीस्टेट सहकारी संस्था में जमा रकम न मिलने से मानसिक तनाव झेल रहे एक युवा किसान सुरेश आत्माराम जाधव (उम्र ४०) ने संस्था की गेवराई शाखा के सामने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। घटना का पूरा विवरण मृतक की पत्नी कविता सुरेश जाधव (३५) ने पुलिस में दी गई शिकायत में बताया कि उनका परिवार कृषि पर आधारित है। उनकी एक बेटी साक्षी (२१) और बेटा शुभम (१८) पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चों के भविष्य और शिक्षा हेतु उन्होंने वर्ष २०२० से अब तक छत्रपति मल्टीस्टेट की गेवराई शाखा में कुल ११ लाख ५० हजार रुपये की सावधि जमा करवाई थी।

लेकिन पिछले दो वर्षों से संस्था बार-बार टालमटोल कर रही थी। कभी आज पैसे मिलेंगे, तो कभी कल आना कहकर उनका विश्वास तोड़ा गया। छह महीने पहले जब सुरेश जाधव ने आत्महत्या की चेतावनी दी थी, तब चेयरमैन संतोष उर्फ नाना भंडारी ने केवल २.५ लाख रुपये लौटाए और बाकी ९ लाख दो माह में देने का वादा किया था, जो कभी पूरा नहीं हुआ।

घटनाक्रम

दिनांक १७ जून को सुरेश जाधव, उनकी पत्नी और दोनों बच्चे फिर से संस्था पहुंचे लेकिन इस बार शाखा प्रबंधक ने न केवल पैसे देने से इनकार किया, बल्कि सुरेश जाधव को अपमानित करते हुए शाखा से बाहर निकाल दिया। मानसिक रूप से टूट चुके सुरेश जाधव ने अगले ही दिन १८ जून को सुबह ३ बजे छत्रपति मल्टीस्टेट शाखा के बाहर फांसी लगाकर जान दे दी।

आत्महत्या से पहले उन्होंने शाखा प्रबंधक ज्योती को व्हाट्सएप मैसेज भेजकर लिखा:

मेरे बच्चों की पढ़ाई बर्बाद करने के लिए धन्यवाद्। मैंने बार-बार गुहार लगाई, लेकिन आपने पैसे नहीं दिए। अब मैं आपके सामने आत्महत्या कर रहा हूं। यह संदेश संतोष भंडारी और भंडारी दादा तक पहुंचा दें।

परिजनों का आक्रोश और पुलिस कार्रवाई

घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने साफ कहा कि जब तक चेयरमैन संतोष भंडारी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, वे शव नहीं लेंगे। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत चेयरमैन पर मामला दर्ज कर लिया और पंचनामा किया।

यह घटना सिर्फ एक व्यक्ति की आत्महत्या नहीं, बल्कि सहकारी बैंकिंग प्रणाली की विफलता का काला सच है। सहकारी बैंकों और मल्टीस्टेट संस्थाओं पर न तो आरबीआई की स्पष्ट निगरानी होती है और न ही इनके चेयरमैन व प्रबंधकों पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाती है।

सहकारी संस्थाओं में अक्सर नेता, रसूखदार व्यक्ति और स्वघोषित समाजसेवी बैठे होते हैं जो आम लोगों की गाढ़ी कमाई को फंसा देते हैं। कोई आरटीआई से पूछे तो पता चलेगा कि कितने लोगों की जमा राशि वर्षों से अटकी हुई है, और प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है।

स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि

ऐसे संस्थानों की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करें,

निवेशकों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष प्रकोष्ठ बनाएं,

और संस्थागत लेवल पर फ्रॉड रोकने के लिए ठइख के समकक्ष निगरानी व्यवस्था बनाई जाए।

एक गरीब किसान को बार-बार अपमानित कर आत्महत्या की कगार पर ले जाना, सिर्फ वित्तीय धोखा नहीं, मानवीय अपराध है। सरकार को इस घटना का संज्ञान लेकर छत्रपति मल्टीस्टेट जैसी संस्थाओं की तत्काल जांच और नियंत्रण में लेना चाहिए।

नितीन गडकरी ने की बड़ी घोषणा: ३००० रुपये में मिलेगा FASTag आधारित 'वार्षिक पास'

दिल्ली

१५ अगस्त २०२५ से लागू होगा वार्षिक FASTag पास ।

३००० रुपये में मिलेगा यह पास, जिसकी वैधता एक वर्ष या २०० बार राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा करने तक- जो भी पहले पूरा हो

यह योजना केवल निजी, गैरव्यावसायिक वाहन जैसे कार, जीप, वैन आदि के लिए है ।

नियमित राजमार्ग यात्रियों के लिए आसान और किफायती समाधान

टोल शुल्क का पूर्वभुगतान, जिससे टोल प्लाजा पर रुकावट और विवाद कम होंगे

६० किमी के भीतर बारबार टोल का झंझट खत्म होगा

कुछ मामलों में यह पास मौजूदा मासिक पास (प्रति माह ३४०) से हजारों रुपये सस्ता पड़ेगा

राजमार्ग यात्रा' (Rajmarg Yatra) ऐप, NHAI और MoRTH की वेबसाइटों पर एक विशेष लिंक जल्द ही एक्टिवेशन और रीन्यूअल के लिए उपलब्ध होगा ।

अज्ञात टोल प्लाजाओं में बोमबारियर हटाने के प्रयास

ANPR (स्वचालित नंबरप्लेट पहचान) वाले टोल सिस्टम की शुरुआत भी प्रस्तावित है ।

नितीन गडकरी द्वारा अनुरूपित यह F-STag-आधारित वार्षिक पास योजना, ३००० रुपये में, १५ अगस्त २०२५ से लागू होगी। निजी वाहन मालिकों को न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि टोल प्लाजा पर लगने वाली लाइन और देरी से भी निजात मिलेगी। ANPR टेक्नोलॉजी से इसे और भी सुविधाजनक बनाया जाएगा।

जुना बाजार कोतवाली वेस से छत्रपती शिवाजी महाराज चौक तक सड़क का काम तुरंत शुरू करें, नहीं तो आंदोलन होगा-अमरजान पठान

बीड / प्रतिनिधि

बीड शहर के जुना बाजार कोतवाली वेस से लेकर बलभीम चौक, करंजा रोड और राजुरी वेस होते हुए छत्रपती शिवाजी महाराज चौक तक की सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। इन सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे आम जनता को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। यह मार्ग शहर के बीच से गुजरने वाला प्रमुख व्यापारिक रास्ता है, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक और व्यापारी आते हैं।

बरसात के चलते सड़कों पर पानी भर जाता है और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना हुआ है। इसी समस्या को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बीड नगर परिषद के उपमुख्य अधिकारी सम्राट कदम को एक निवेदन सौंपा और मांग की है कि कोतवाली वेस से बलभीम चौक, करंजा रोड, राजुरी वेस होते हुए छत्रपती शिवाजी महाराज चौक तक का सड़क कार्य तुरंत शुरू किया जाए।

मनसे बीड शहराध्यक्ष अमरजान पठान ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर ३० जून, सोमवार तक कार्य शुरू नहीं हुआ तो मनसे की महिला आघाड़ी की राज्य उपाध्यक्ष वार्षाताई जगदाळे के नेतृत्व में सुबह ११ बजे जुना बाजार कोतवाली वेस से छत्रपती शिवाजी महाराज चौक तक सड़क के गड्ढों में बेशरम के पौधे लगाकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा।

यह चेतावनी बीड नगर परिषद और जिलाधिकारी कार्यालय को सौंपे गए ज्ञापन में दी गई है। इस अवसर पर मनसे के जिलाध्यक्ष आशा कुटे, जिला उपाध्यक्ष कल्पना कवठेकर, सदाशिव बिडवे, शहराध्यक्ष अमरजान पठान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हिंदी अनिवार्य नहीं, मराठी ही रहेगी जरूरी भाषा: दादा भुसे का स्पष्टीकरण

मुंबई, १८ जून । रिपोर्ट: जमीर क़ाज़ी

राज्य सरकार पर यह आरोप लगने के बाद कि पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में थोपा जा रहा है, राज्य के शालेय शिक्षण मंत्री दादा भुसे ने स्पष्ट किया कि मराठी भाषा सभी स्कूलों में अनिवार्य रहेगी, जबकि हिंदी सहित अन्य भारतीय भाषाएँ ऐच्छिक (वैकल्पिक) रहेंगी।

मंत्री दादा भुसे ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य पाठ्यक्रम आराखड़ा शालेय शिक्षण २०२४ के अनुसार, मराठी और अंग्रेजी माध्यम की शालाओं में पहली से पांचवीं तक हिंदी को आमतौर पर तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। लेकिन अगर कोई छात्र हिंदी की जगह अन्य भारतीय भाषाओं में से कोई एक भाषा तीसरी भाषा के रूप में पढ़ना चाहता है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी। इस बारे में शालेय शिक्षण विभाग ने शासन निर्णय भी जारी किया है।

क्या हैं नियम?

हिंदी की जगह अन्य भारतीय भाषा तीसरी भाषा के रूप में चुनने के लिए कम से कम २० छात्रों की मांग जरूरी होगी।

अगर २० या उससे अधिक छात्रों ने वैकल्पिक भाषा की मांग की तो उस भाषा के लिए शिक्षक उपलब्ध कराया जाएगा, अन्यथा वह भाषा ऑनलाइन मोड में पढ़ाई जाएगी।

सभी माध्यमों की शालाओं में मराठी अनिवार्य भाषा रहेगी।

जो स्कूल मराठी भाषा पढ़ाने में विफल होंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

इसका पूरा नियोजन शालेय शिक्षण आयुक्त के स्तर से किया जाएगा।

माध्यम भाषा की नीति:

मराठी और अंग्रेजी माध्यम की स्कूलों के अलावा अन्य सभी स्कूलों में पहली से पांचवीं तक माध्यम भाषा, मराठी, और अंग्रेजी - ये तीन भाषाएँ पढ़ाई जाएंगी।

कक्षा छठी से दसवीं तक भाषा नीति राज्य के पाठ्यक्रम आराखड़े के अनुसार ही लागू रहेगी।

दादा भुसे ने स्पष्ट किया कि १६ अप्रैल २०२५ के शासन निर्णय में बदलाव करते हुए अब यह स्पष्ट किया गया है कि हिंदी भाषा केवल सामान्य विकल्प है, अनिवार्य नहीं।

इस नए निर्देश के तहत राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि छात्रों की भाषाई पसंद का सम्मान करते हुए मराठी भाषा को केंद्र में रखा जाए और शिक्षण संस्थाओं में भाषाई संतुलन बना रहे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

बीड ज़िले में बालविवाह रोकने के लिए प्रशासन की नई पहलें और योजनाएं

बीड ज़िले में बालविवाह जैसी सामाजिक बुराई को रोकने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से कई प्रतिबंधात्मक उपाय और जनजागृति कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा और सुरक्षित भविष्य देना है।

शिक्षा विभाग की पहलें:

हर स्कूल में हर सोमवार बालविवाह विरोधी शपथ दिलवाई जाएगी।

नुक्कड़ नाटक, निबंध स्पर्धा, रंगोली प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों के माध्यम से गांवों में जनजागृति की जाएगी।

अगर कोई छात्रा (७वीं से १२वीं तक) १५ दिनों से ज्यादा स्कूल से अनुपस्थित रहती है, तो उसकी जानकारी ऑनलाइन भरकर संबंधित कार्रवाई की जाएगी।

महिला व बाल विकास विभाग:

DTF की बैठक अब हर महीने होगी (पहले ३ महीने में एक बार होती थी)।

पिछले वर्ष रोके गए २४५ बालविवाह मामलों का सामाजिक और आर्थिक सर्वेक्षण किया जाएगा, ताकि इसके पीछे के कारणों को समझा जा सके।

बालविवाह रोकने में योगदान देने वाले ग्रामसेवक और आंगनवाड़ी सेविकाओं को पालक मंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा।

जिन लड़कियों ने बालविवाह से बचकर अपनी पढ़ाई पूरी की, उन्हें भी ज़िला स्तर पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

पंचायत विभाग की पहलें:

बालविवाह से बची हुई लड़की का दोबारा विवाह न हो, इसके लिए सरकारी कर्मचारियों को उसके लिए पालक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

सभी तउझउ और ढउझउ सदस्यों को बालविवाह रोकने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

FIR की संख्या बढ़ाने के लिए ग्रामविकास, पुलिस और अन्य विभागों में समन्वय किया जाएगा।

हर ग्रामसभा में बालविवाह पर जनजागृति की जाएगी और गट विकास अधिकारी की हर १५ दिन की बैठक में इस विषय पर समीक्षा की जाएगी।

पुलिस विभाग की भूमिका:

बालविवाह के मामलों में कड़ी कार्रवाई और अधिक त्रुखठ दर्ज करने के लिए अन्य विभागों से तालमेल बनाया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण कदम:

सरकारी संस्थानों की दीवारों पर बालविवाह रोकने संबंधी संदेश (खएउ) लिखे जाएंगे।

उपविभागीय अधिकारी और तहसीलदार हर महीने बालविवाह पर किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे और त्रैमासिक बैठक में रिपोर्ट पेश करेंगे।

थ्रो बॉल खेल को बालिकाओं के बीच बढ़ावा दिया जाएगा।

जोखिम में रह रही बालिकाओं की पहचान कर, उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

बालविवाह रोकने में अच्छा काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

यह योजनाएं बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के साथ ही समाज को बालविवाह जैसी कुप्रथा से मुक्त करने की दिशा में एक अहम कदम हैं।

अल्पसंख्यक संस्थाओं को डिजिटल प्रमाणपत्र की शर्त से मिले राहत-कैसर आज़ाद शेख की मांग

परतूर / एम. एल. कुरेशी

महाराष्ट्र राज्य में जुलाई २०१७ से पहले अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त कर चुकी शैक्षणिक संस्थाओं को अब आपले सरकार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल स्वाक्षरी (हस्ताक्षर) युक्त प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के आदेश अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा जारी किए गए हैं।

शासन निर्णय में उल्लेख किया गया है कि जुलाई २०१७ के पूर्व ऑफलाइन अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शालाओं और संस्थाओं की विस्तृत जानकारी शासन के पास उपलब्ध नहीं है। इसलिए यह जानकारी सुगमता से प्राप्त करने हेतु उन सभी संस्थाओं को छह माह की अवधि में डिजिटल प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक किया गया है।

इस निर्णय का विरोध करते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अल्पसंख्यक विभाग के सरचिटणीस कैसर आज़ाद शेख ने इसे अन्यायपूर्ण और शैक्षणिक संस्थाओं के लिए बाधादायक करार दिया है। उन्होंने दिनांक १० जून को अल्पसंख्यक विकास मंत्री, विभाग के प्रधान सचिव, तथा विधान परिषद सदस्य एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष को एक लिखित निवेदन सौंपा, जिसमें मांग की गई है कि जुलाई २०१७ से पूर्व जारी किए गए अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाणपत्रों को मान्य माना जाए और डिजिटल प्रमाणपत्र की अनिवार्यता को रद्द किया जाए।

निवेदन में उन्होंने यह भी कहा कि शासन को पूर्व में वर्ष २०१५ में सभी संस्थाओं से ऑनलाइन जानकारी प्राप्त हो चुकी है तथा विभागों के पास आवश्यक रिकॉर्ड उपलब्ध है। इसलिए दोबारा वही प्रक्रिया थोपना अनावश्यक और अन्यायकारी है। कैसर आज़ाद शेख ने आग्रह किया है कि इस विषय पर उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार, माननीय दत्तात्रय भरणे तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री से विशेष अनुशंसा कर यह जाचक शर्त तत्काल रद्द करवाई जाए। इस अवसर पर राष्ट्रवादी अल्पसंख्यक विभाग के कार्याध्यक्ष मूबीन सिद्दीकी, हसीन अख़्तर, अहमद अली आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

इज़राइली सेना का तेज़ हमला: तेहरान में धमाकों के बाद धुएं के गुबार-ड्रोन से लदा ट्रक पकड़ा गया

तेहरान एजेंसी

तेहरान में भारी बमबारी

इज़राइल ने तेहरान के चुने हुए सैन्य और गोला-बारूद निर्माण केंद्रों पर हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में तेहरान के इमाम हुसैन यूनिवर्सिटी और मिसाइल/सेंट्रिफ्यूज फैक्ट्रीज़ सहित कई महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन बमबारी की सूचना बाद में नागरिक इलाकों में बड़े धमाकों और धुएं के गुबार के रूप में सामने आई । ताजा आंकड़ों के अनुसार, इन हमलों में अब तक २०० से अधिक आम नागरिकों की मौत, और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं ।

ड्रोन से लैस ट्रक का पता चला

इतना ही नहीं, तेहरान के नज़दीक लोरिस्तान प्रांत में पुलिस ने दो ऐसे ट्रक जब्त किए हैं जो ड्रोन और विस्फोटकों से लैस थे। ये ट्रक इज़राइली खुफ़िया एजेंसी मोसाद से जुड़े बताए जा रहे हैं और उन्हें इरानी पुलिस ने स्थानीय निगरानी व खबरदारी के आधार पर पकड़ा ।

क्षेत्रीय और वैश्विक प्रतिक्रिया

इज़राइल ने हमलों को रुद्ध करने वाले निरोधात्मक कदम बताया और दावा किया कि यह अपने सुरक्षा ढांचे की रक्षा हेतु आवश्यक था ।

अमेरिका और अन्य वैश्विक दल अभी स्थिति का निरीक्षण कर रहे हैं, साथ ही वास्तविक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने हेतु मध्यस्थता प्रयास जारी ।

यह वायुाप्रहरी कार्रवाई इस क्षेत्र में वैश्विक राजनीतिक तनाव और कूटनीतिक चुनौती का संकेत है।

नागरिक क्षेत्रों में हुई भारी बमबारी और ड्रोन लदी ट्रक की गिरफ्तारी ने स्थानीय सुरक्षा व जनहित चिंताओं को बढ़ा दिया है।

पालकमंत्री टाक्हफोर्स अंतर्गत जिल्हाधिकारी ने वरूड गांव दत्तक लिए!

जिंतूर (प्रतिनिधी) जिंतूर सेलू मतदारसंघ की विधायीका तथा परभणी जिल्हे की पालकमंत्री सौ मेघना दीदी साकोरे बोर्डीकर के आदेशानुसार जिल्हाधिकारी रघुनाथ गावंडे ने पालक मंत्री टाक्सफोर्स अंतर्गत वरूड गांव दत्तक लिए! दि १९ जुन २०२५ को वरूड गांव में प्राथमिक बैठक लेकर गांव की जानकारी और गांव का स्कूल, आरोग्य केंद्र,पशुवैद्दकिय दवाखाना, ग्रामपंचायत कार्यालय, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर परिसर, नृसिंह मंदिर,पुरातन बारव, और मंदिर परिसर, बौद्ध नगर,आदी गांव के रास्ते पर फेरफटका मार कर गांव की संपुर्ण जानकारी ग्राम वासियों से हासील उनके साथ उपजिलाधिकारी सानप मॅडम, तहसीलदार राजेश सरवदे,बिडीओ मानकर,गटशिक्षणाधिकारी पोले, पोलीस निरक्षक, वैद्यकीय तालुका अधिकारी डॉ अंबेकर,सुपेकर मॅडम, तथा शासकीय अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे! सभी ग्राम वासियों से चर्चा कर प्राथमिक जानकारी हासिल की और ग्राम वासियों को विकास कामों को लेकर आश्वस्त किया! वरूड ग्राम पंचायत में भारतीय जनता पार्टी तालुकाध्यक्ष तथा ग्राम पंचायत सदस्य, गोविंद थिटे,ने मान्यवरों का स्वागत किया!

वसंतदादा पाटील की नातिन जयश्री पाटील समर्थकों सहित BJP में शामिल

मुंबई, १८ जून । विशेष प्रतिनिधि

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटील की नातिन और सांगली जिला मध्यवर्ती बैंक की उपाध्यक्षा जयश्री पाटील ने बुधवार को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में प्रवेश किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे और सांगली के पालकमंत्री चंद्रकांतदादा पाटील ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में विधायक सुरेश खाडे, सुधीर गाडगीळ, जनसुराज्य शक्ति पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष समित कदम, वरिष्ठ नेता शेखर इनामदार, सांगली जिलाध्यक्ष सम्राट महाडिक, शहर जिल्हाध्यक्ष प्रकाश ढंग और अन्य नेता उपस्थित रहे।

राजनीतिक पृष्ठभूमि और बयान

जयश्री पाटील, दिवंगत पूर्व मंत्री मदन पाटील की पत्नी हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने वसंतदादा पाटील के जनहित में लिए गए निर्णयों को याद करते हुए कहा कि जयश्रीताई उनके समाजकार्य की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने उनके काम को नज़रअंदाज किया, जबकि भाजपा में उन्हें और उनके कार्यकर्ताओं को स्नेह और सम्मान मिलेगा।

चंद्रकांत पाटील ने इस राजनीतिक प्रवेश को वसंतदादा घराने से भाजपा में आया विश्वास बताया। उन्होंने कहा कि जयश्री पाटील और उनके समर्थकों ने बिना किसी पद की अपेक्षा के भाजपा जॉइन की है, जो अनुकरणीय है।

जयश्री पाटील का वक्तव्य

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व पर विश्वास करते हुए हम राज्य और सांगली के विकास हेतु भाजपा में प्रवेश कर रहे हैं। कांग्रेस में हमें अन्याय का सामना करना पड़ा, विधानसभा चुनाव में हमें बगावत करनी पड़ी, लेकिन अब हमें विश्वास है कि भाजपा में हमारे कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान और जगह मिलेगी।

इन नेताओं ने भी लिया भाजपा में प्रवेश:

माजी महापौर किशोर शहा
कांचनताई कांबळे
प्रशांत पाटील
उत्तम साखळकर
संतोष पाटील (पूर्व स्थायी समिति सभापती)
शेवंताताई वाघमारे
अजित सूर्यवंशी (पूर्व नगरसेवक)
रोहिणी पाटील, मृणाल पाटील
करण जामदार, प्रकाश मुळके
अजित दोरकर, तानाजी पाटील, सुभाष यादव
आनंदराव पाटील
जिल्हा मजूर फेडरेशन अध्यक्ष सुनील जाधव पाटील

जयश्री पाटील के इस कदम से सांगली ज़िले में भाजपा की राजनीतिक ताक़त को एक नई धार मिलने की संभावना जताई जा रही है।

डॉ. ग़ज़नफ़र इक़बाल को बाल साहित्य पुरस्कार से नवाज़ा जाएगा

गुलबर्गा, १८ जून (ईमेल)

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष २०२५ का प्रतिष्ठित बाल साहित्य पुरस्कार इस बार कर्नाटक के गुलबर्गा निवासी उर्दू लेखक डॉ. ग़ज़नफ़र इक़बाल को प्रदान किया जाएगा।

यह सम्मान क़ौमी सितारे (बड़ों की कहानियाँ बच्चों के लिए) नामक उनकी पुस्तक के लिए दिया जाएगा। यह पुस्तक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक शख्सियतों पर आधारित है जिसे बच्चों की समझ और /उह्लस्पी के अनुसार प्रस्तुत किया गया है।

इस पुरस्कार में साहित्य अकादमी का प्रतीक चिन्ह और पचास हज़ार रुपये की राशि शामिल है।

डॉ. ग़ज़नफ़र इक़बाल को यह पुरस्कार शीघ्र ही साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

यह उपलब्धि उर्दू बाल साहित्य और कर्नाटक की साहित्यिक दुनिया के लिए गर्व का विषय है।

श्रीवर्धन के पूर्व विधायक तुकाराम सर्वे ने एनसीपी का दामन थामा, सुनील तटकरे ने किया गर्मजोशी से स्वागत

मुंबई, १८ जून २०२५ । विशेष संवाददाता

श्रीवर्धन विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पूर्व विधायक तुकाराम सर्वे ने आज औपचारिक रूप से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में प्रवेश कर लिया। इस अवसर पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुनील तटकरे ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और इस क्षण को अपनी राजनीतिक जीवन का सुनहरा मौका बताया।

सुनील तटकरे ने कहा, सर्वे जी, आप १६ साल बाद मेरे साथ आए हैं, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हमारे दिलों में कभी कटुता नहीं रही। जब मैं इस क्षेत्र से चुना गया था, तब आपकी पार्टी से जुड़ाव के कारण मुझे कम वोट मिले थे, लेकिन आज आप सेक्युलर सोच के साथ आए हैं, यह श्रीवर्धन की राजनीति में एक नई सुबह का संकेत है।

शिवसेना को अलविदा, एनसीपी में नई शुरुआत

तुकाराम सर्वे ने उद्धव बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से नाता तोड़कर, सुनील तटकरे के मार्गदर्शन में एनसीपी में प्रवेश किया। इस अवसर पर उनके साथ रायगढ़ जिले के शिवसेना संपर्क प्रमुख सुजीत तांडलीकर, श्रीवर्धन पंचायत समिति के अध्यक्ष बाबुराव चोरगे, कार्यवने गांव की सरपंच गीता चोरगे, जगन्नाथ चालके, गणेश नर्मल, बबन जोशी, मालती पवार, जागृति चालके, रोशन मोरे सहित मराठी और कुनबी समाज संगठनों के कई प्रमुख पदाधिकारियों ने भी एनसीपी का दामन थामा।

इस अवसर पर मौजूद प्रमुख नेता:

एनसीपी कोषाध्यक्ष व विधायक शिवाजी राव गडजे

अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष मुश्ताक अंतुले

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे

विधायक इदरीस नाइक वाडी

प्रवक्ता संजय तटकरे

युवा प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौहान

प्रदेश महासचिव लतीफ तांबोली

सह-कोषाध्यक्ष संजय बोरगे

नेता सुभाष केकाडे

राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव

इस बड़ी राजनीतिक शिफ्ट को स्थानीय राजनीति में एक अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तुकाराम सर्वे और उनके समर्थकों की एनसीपी में एंट्री से पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों में रणनीतिक लाभ मिल सकता है।

नागपुर में बनेगा फाल्कन २००० जेट; डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस के बीच ऐतिहासिक करार

मुंबई, १८ जून । रिपोर्ट: जमीर क़ाज़ी

पेरिस में आयोजित एयर शो के दौरान डसॉल्ट एविएशन और रिलायंस एयरोस्पेस लिमिटेड के बीच फाल्कन २००० जेट के निर्माण को लेकर एक ऐतिहासिक समझौता हुआ है। खास बात यह है कि यह निर्माण पहली बार फ्रांस के बाहर भारत में किया जाएगा और वह भी नागपुर में। इस महत्त्वपूर्ण करार का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वागत किया है।

फडणवीस ने कहा कि नागपुर के चखक-छ (मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल हब) क्षेत्र में हो रहा यह प्रोजेक्ट भारत के एयरोस्पेस सेक्टर को नई दिशा देगा, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी बड़ा बल मिलेगा।

करार की खास बातें:

फाल्कन २००० जेट अब पूरी तरह से भारत में निर्मित किया जाएगा।

इस परियोजना से भारत अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राज़ील जैसे विमान निर्माण करने वाले देशों की कतार में शामिल हो जाएगा।

नागपुर स्थित डसॉल्ट रिलायंस एयरोस्पेस (ऊठ-ड) को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा।

भविष्य में फाल्कन ८द और ६द जेट का असेंबली कार्य भी यहीं किया जाएगा।

पहला 'मेड इन इंडिया फाल्कन जेट' वर्ष २०२८ तक नागपुर से तैयार होकर बाहर आएगा।

डसॉल्ट एविएशन एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है, जो राफेल फाइटर जेट और फाल्कन सीरीज के विमान बनाती है। अब तक कंपनी ने १०,००० से अधिक सैन्य और नागरिक विमान बनाए हैं और करीब ९० देशों को इसका निर्यात किया है।

फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर को डिफेंस प्रोडक्शन हब बनाने की दिशा में पहले से ही कई प्रयास किए हैं, और यह करार इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com